पाठ्यक्रमः गांधी: व्यक्ति और उनका समय (एम जी पी–001)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–001/ए एस एस टी/टी एम ए/2025–26
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. गांधी किस प्रकार राष्ट्रवाद और अंतरराष्ट्रीयतावाद–इन दो संसारों के बीच संतुलन स्थापित करते हैं?

2. गांधी के नेतृत्व में खिलाफ़त आंदोलन और असहयोग (non-cooperation) आंदोलन के अभिसरण (convergence) की चर्चा कीजिए।

3. भारत के विभिन्न भागों में गांधी के सविनय अवज्ञा (civil disobedience) आंदोलन के प्रति कैसी प्रतिक्रिया हुई?

4. रचनात्मक कार्यक्रम (constructive programme) के एजेंडे का वर्णन कीजिए। वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए।

5. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की तीन धाराओं–उदारवादी (moderate), उग्रवादी (extremist) और क्रांतिकारी (revolutionary)–के उद्भव का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

भाग – II

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) भौतिक और आध्यात्मिक का समन्वय (synthesis)।
   ख) नस्लीय (racial) भेदभाव के विरुद्ध गांधी का संघर्ष।

7. क) गांधी (Gandhi) और लेनिन (Lenin) पर दांगे (Dange) के विचार।
   ख) पूना समझौते पर प्रतिक्रियाएँ।

8. क) मुस्लिम लीग (Muslim League) और पाकिस्तान की माँग।
   ख) भारत छोड़ो आंदोलन (Quit India Movement) के परिणाम।

9. क) ब्रिटिश नीतियाँ और विभाजन।
   ख) कैबिनेट मिशन योजना (Cabinet Mission Plan) और एक सशक्त राज्य।

10. क) तिलक और गांधी के विचारों के बीच समानताएँ और भिन्नताएँ।
    ख) गोलमेज सम्मेलन। (Round Table Conferences)